



एकदु टीगेली से एकदु सियार
रहे ओ गौव दुसेक जोलक ।

वहे गौव से एकदु बुंदिया दान
बाना करन रहे ।

दामधु सियान बुंदिया के कहलक तोक
रौव, आऊर खाई देलक ।

.

.

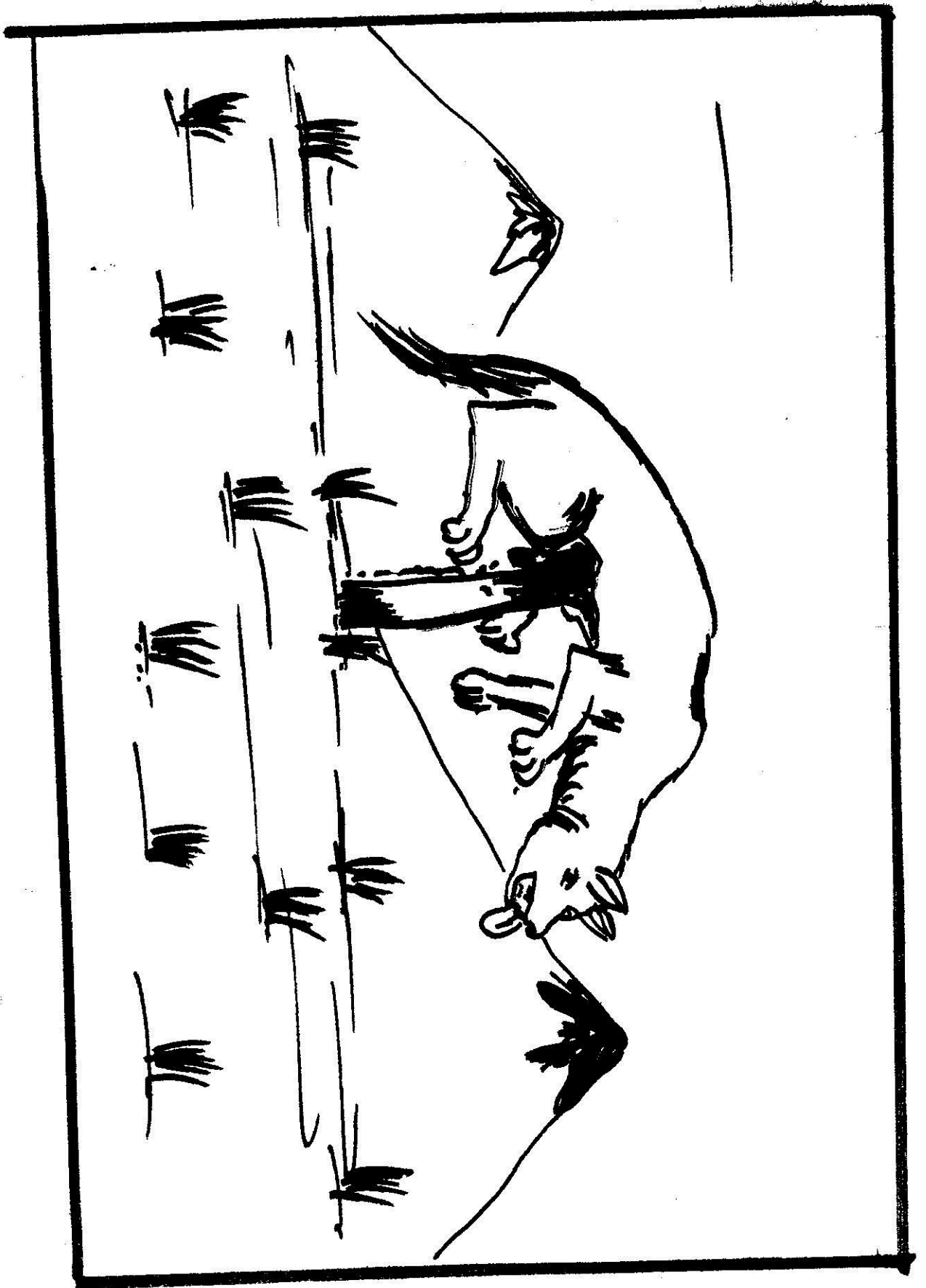


ब्रह्मण्ड विचार आणि ब्रह्मण्ड नो रिकॉर्ड
ब्रह्मण्ड हर जीवत रहे , विचार कदलक
नोके रॉव , आउर र्पाई देलक ।



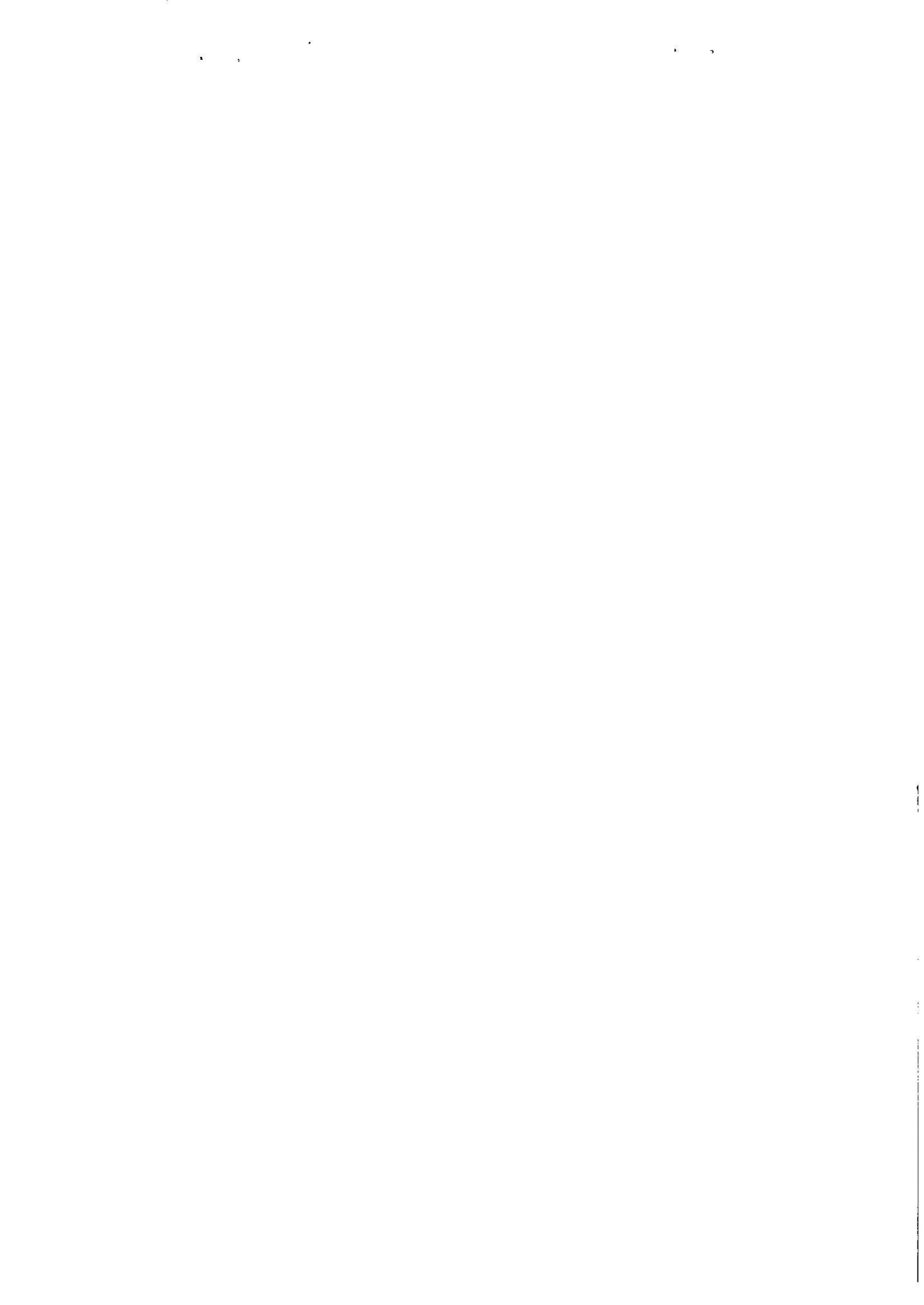


सिंघार आबो बरंलक नी सकरं ब्रिषदा
सै पानी हल-हलातं रडे । सिंघार
कदलक लोक सिंघोन , आऊर सल
पानी के पी देखक ।



सिंघार आगे बढलक तो डार में झाला
सुँदा सुँजसुँगार रहे , सिंघार कडलक
तोके डोगिं सुँदा कडलक तोर पेर के
काइर देबुँ।

तो समण्डी सिंघार कडलक बढा करन
बुँदिया राबो , हर जीता बुँदा राबो ,
दोबरा मइर पानी पीबो तोके डोके
नी सकबुँ, कडलक आइर डोबलक



वी सुजा सुंदा वी काङ्क देलक।

